
Saptatandava Stotram

सप्ततण्डवस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Saptatandava Stotram

File name : saptatANDavastotram.itx

Category : shiva, pradIptakumArananda

Location : doc_shiva

Author : (Copyright) Pradipta Kumar Nanda, Kendrapara, Orisa pknanda65 at gmail.com

Transliterated by : Pradipta Kumar Nanda pknanda65 at gmail.com

Proofread by : Pradipta Kumar Nanda

Acknowledge-Permission: (Copyright) Pradipta Kumar Nanda

Latest update : August 20, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 20, 2026

sanskritdocuments.org

सप्तताण्डवस्तोत्रम्



१. आनन्दताण्डवं

जटाटवीगलज्जलं तरङ्गिणीविनिर्गलं
कपर्दमध्यसंस्थितं प्रबालचन्द्रभासितम् ।
सुधांशुशीतलद्युतिप्रसन्नमोदमण्डितं
नमामि नृत्यताण्डवं शुभङ्करं सुपाटवम् ॥ १ ॥

२. सन्ध्याताण्डवं

डमड्डमड्डमड्डमध्वनिप्रबोधगम्भीरं
प्रनृत्यद्विपङ्कजप्रभाभिरुज्ज्वलीकृतम् ।
अनादिनादगम्भीरं प्रपञ्चकालिमाधरं
नमामि नृत्यताण्डवं शुभङ्करं सुपाटवम् ॥ २ ॥

३. कालीताण्डवं

भुजङ्गराजभूषितं भुजद्वयप्रसारितं
विरागभक्तिबोधितं विरक्तचित्तसेवितम् ।
कपालकालिकाधरं नृभस्मलेपतत्परं
नमामि नृत्यताण्डवं शुभङ्करं सुपाटवम् ॥ ३ ॥

४. त्रिपुरताण्डवं

मुनीन्द्रवृन्दवन्दितं सुरेन्द्रसिद्धसेवितं
गणेशषण्मुखार्चितं सनन्दिकालसेवितम् ।
भवच्छिदं मदच्छिदं कुदैत्यजीवनोच्छिदं
नमामि नृत्यताण्डवं शुभङ्करं सुपाटवम् ॥ ४ ॥

५. गौरीताण्डवं

सुधातरङ्गसुन्दरप्रवाहशीतलोज्ज्वलं
पिशाचभूतभैरवैर्ज्वलत्सभासु सत्वरम् ।
शिवाशिवाभिरुर्जितं श्मशानभूमिमज्जितं

नमामि नृत्यताण्डवं शुभङ्करं सुपाटवम् ॥ ५ ॥

६. संहारताण्डवं

सपञ्चकृत्यकारणं विनाशपाशदारणं

स्वतन्त्रतत्त्वघोषकं चिदम्बरे सुनर्तकम् ।

दिगम्बरं महेश्वरं विराजराजशङ्करं

नमामि नृत्यताण्डवं शुभङ्करं सुपाटवम् ॥ ६ ॥

७. ऊर्ध्वताण्डवं

अघोरघोरघर्घरं हिमालयेषु निर्भरं

त्रिपुण्ड्रभस्मशेखरं तदुर्ध्वमोहिनीवरं

प्रसन्नवक्त्रमण्डितं निरोधशक्तिरुर्जितं

नमामि नृत्यताण्डवं शुभङ्करं सुपाटवम् ॥ ७ ॥

रचयिता प्रो. प्रदीपकुमारनन्दः (सेवानिवृत्त)

श्रीजगन्नाथसंस्कृतविश्वविद्यालयः, पुरी

Composed, encoded and proofread by Prof. Pradipta Kumar Nanda

——
Saptatandava Stotram

pdf was typeset on August 20, 2026

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

